The Asian Age (The Kolkata Age) Page 9 9 May, 2019

Separate dock systems sought for Kolkata Port

Kolkata: Separate dock systems should be developed with ship-to-shore handling facility to ease congestion in Kolkata Port Trust (KoPT) due to traffic from Chittagong port, a chamber of commerce paper said Wednesday. The separate dock system would help to efficiently handle growing Bangladesh and coastal cargo, an ASSOCHAM paper on shipping, ports, customs and inland waterways said. The paper also suggested that the separate dock system was necessary since KoPT does not permit transhipment. The permission for transhipment of Bangladesh export cargo via Indian Ports like Kolkata, Vishakhapatnam, Jawaharlal Nehru Port Trust, Mundra Port will help create a reverse cargo flow from Bangladesh, it said. Assocham suggested coastal exim cargo for Bangladesh can have the flexibility to avail direct port entry for exports from Kolkata, instead of container freight station routing. — *PTI*

Rajasthan Patrika Page 10 9 May, 2019

केओपीटी : अलग गोदी की जरूरत- एसोचैम

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

कोलकाता. उद्योग मंडल एसोचैम ने बुधवार को कहा कि चट्टगांव बंदरगाह से आने वाले पोतों की भारी संख्या को देखते हुए कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट (केओपीटी) के भार को कम करने के लिए अलग गोदी व्यवस्था विकसित करने की जरूरत है। विमानपत्तन, बंदरगाह, सीमाशुल्क और अंतरराज्यीय जलमार्ग से जुड़ी अपनी रपट में एसोचैम ने कहा कि अलग गोदी व्यवस्था की मौजूदगी से बांग्लादेश एवं तटीय क्षेत्रों से आने वाले माल से लदे पोतों को प्रभावी तरीके से संभालने में मदद मिलेगी। इस रपट में कहा गया है कि केओपीटी के पास ट्रानशिपमेंट का अधिकार नहीं है, इसलिए भी अलग गोदी की जरूरत है।

Prabhat Khabar Page 4 9 May, 2019

केओपीटी पर अलग गोदी की जरूरत : एसोचैम

कोलकाता. उद्योग मंडल एसोचैम ने बुधवार को कहा कि चट्टगांव बंदरगाह से आनेवाले पोतों की भारी संख्या को देखते हुए कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट (केओपीटी) के भार को कम करने के लिए अलग गोदी व्यवस्था विकसित करने की जरूरत है. विमानपत्तन, बंदरगाह, सीमा शुल्क और अंतरराज्यीय जलमार्ग से जुड़ी अपनी रिपोर्ट में एसोचैम ने कहा कि अलग गोदी व्यवस्था की मौजूदगी से बांग्लादेश एवं तटीय क्षेत्रों से आनेवाले माल से लदे पोतों को प्रभावी तरीके से संभालने में मदद मिलेगी. इस रिपोर्ट में कहा गया है कि केओपीटी के पास ट्रांसशिपमेंट का अधिकार नहीं है, इसलिए भी अलग गोदी की जरूरत है.

Sanmarg Page 11 9 May, 2019

केओपीटी पर अलग गोदी की जरूरत: एसोचैम

कोलकाता: एसोचैम ने कहा कि चटगांव बंदरगाह से आने वाले पोतों की भारी संख्या को देखते हुए कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट (केओपीटी) के भार को कम करने के लिए अलग गोदी व्यवस्था विकसित करने की जरूरत है। विमानपत्तन, बंदरगाह, सीमाशुल्क और अंतरराज्यीय जलमार्ग से जुड़ी रपट में एसोचैम ने कहा कि अलग गोदी से बांग्लादेश एवं तटीय क्षेत्रों से आने वाले माल से लदे पोतों को प्रभावी तरीके से संभालने में मदद मिलेगी। केओपीटी के पास ट्रांसशिपमेंट का अधिकार नहीं है, इसलिए भी अलग गोदी की जरूरत है।